

**REET 2021**

**विषय- संस्कृत**

**सम्पूर्ण "प्रत्यय" टॉपिक**

*By sandeep tandon*

**subscribe my youtube channel  
BIOLOGY GK CLASSES**

# प्रत्यय

→ प्रतिचेते विद्यिचेते इति प्रत्ययः।

प्रत्यय - परश्य (बाद में)

By sandeep tandon

परिभाषा → प्रत्ययों का प्रयोग शब्द व धारु के बाद में किया जाता है  
— प्रत्यय मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं।

① छूट — (धारु से) — एट + अपुल — पाठ्कः

② तद्वित — (शब्द से) — शात् + मतुप — ज्ञानवान्

③ रस्ती — (धारु + शब्द) — उमार + ईए — उमारी

## तद्वित प्रत्ययः- शब्दो से परे

### 1. तरप् प्रत्यय

पहचान → तरः | तरा | तरम्  
 पु. स्त्री नस्  
 (पंचमी विभागि)

→ जहां कौं व्याख्यायों में था  
 वस्तुओं के मध्य फिली एडगे  
 श्वेष बनाया जाएगा तो उसमें  
 पंचमी विभागि होती है।

**उदाहरणः-** राम मोहन के पतुर हैं  
 रामः मोहनाद् पटुरः।

### 2. तमप् प्रत्यय

पहचान - हमः | हमा | हमम्  
 पु. स्त्री. नस्  
 (घटी+सप्तमी विभागि)

→ जहां अनेकों में से तुली एक छे  
 श्वेष बनाया जायेगा उसमें उसी  
 भौंट सप्तमी विभागि होती है।

**उदाहरणः-** उविनां ऋविषु रालिदासः श्वेषनमः  
*By sandeep tandon*

## तरप्

पटु- पटुतरः पटुतरा पटुतरम्

सभीप- सभीपतरः सभीपतरा सभीपतरम्

गुक्त- गुक्तरः गुक्तरा गुक्तरम्

## तमप्

→ पटुतमः पटुतमा पटुतमम्

→ सभीपतमः सभीपतमा सभीपतमम्

→ गुक्तम! गुक्तमा गुक्तमम्

## तल् प्रत्यय

शैघ- त रहता है।

तल् प्रत्यय से बनें वाले व्याख्या ब्लॉगिंग में प्रयोग होते हैं।

*By sandeep tandon*

### Example

जनता- जन + तल् प्रत्यय

रुक्ता- रुक्त + तल् प्रत्यय

ममता - मम् + तल् प्रत्यय

देवता - देव + तल् प्रत्यय

बन्धुता - बन्धु + तल् प्रत्यय

अनेकता - अनेक + तल् प्रत्यय

## मतुप्रत्यय :-

शेष - मतुरहना हैं।

Note → अकारान्त/मकारान्त शब्दों से वान/वली/बत जुड़ता है।

Example

*By sandeep tandon*

हिम → हिमवान्	हिमवती	हिमवत्
रस → रसवान्	रसवती	रसवत्
गुण → गुणवान्	गुणवती	गुणवत्
चन्द्र → चन्द्रमान्	चन्द्रमती	चन्द्रमत्
ज्ञान → ज्ञानवान्	ज्ञानवती	ज्ञानवत्
धीर → धीरमान्	धीरमती	धीरमत्

**ल्यूट प्रत्यय**

शब्द के अंत मे -  
अनम्/अणम्

'यु' शेष

'अन' नपुसंक लिग

**कृत**

**प्रत्यय**

**ण्वूल प्रत्यय**

'अक' (पु., स्त्री., नपू.)

हु → करणम्

पठु → पठनम्

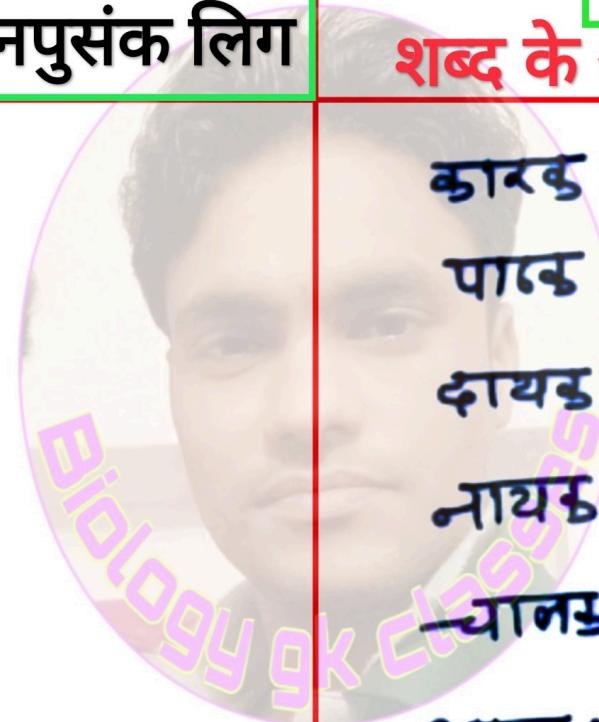
दा - दानम्

नी - नयनम्

चल - चलनम्

शु - श्ववानम्

घु - घरणम्



कारड़ : कारिडा कारडम्

पाठ़ : पाठिडा पाठडम्

दायड़ : दायिडा दायडम्

नायड़ : नायिडा नायडम्

चानड़ : चालिडा चालम्

क्षावड़ : क्षाविडा क्षावडम्

धारड़ : धारिडा धारडम्

## कत्वा प्रत्यय

शेष - त्वा  
(पूर्वजालिङ् डिश)

↓  
त्वा, इवा  
(अव्यय शब्दोंमें)  
पहु → पठित्वा

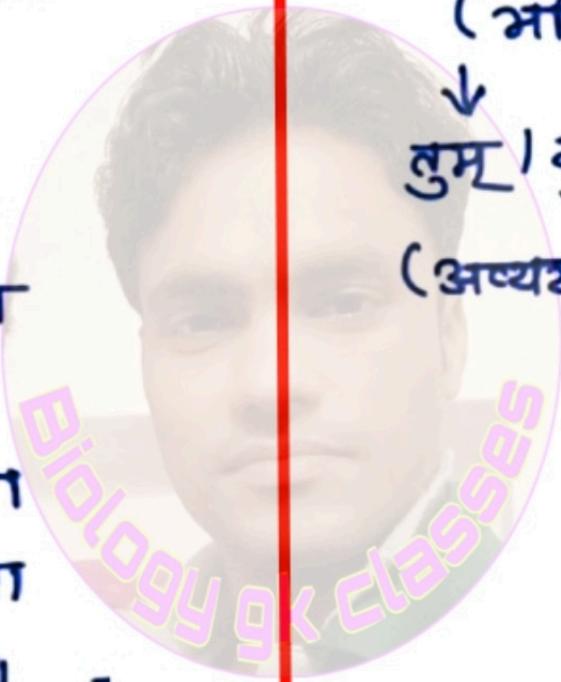
हु → हुत्वा  
हस्त → हसित्वा  
चल → चलित्वा

वदु — वदित्वा -  
इश्ट — इष्टित्वा  
ज्ञा — ज्ञात्वा

## तुमुन प्रत्यय

शेष - तुम्  
(भविष्यात्माल में)

↓  
तुम् | टुम्  
(अव्यय शब्दोंमें → पठितुम्  
→ हुतुम्  
→ हसितुम्  
→ चलितुम्  
→ वदितुम्  
→ इष्टितुम्  
→ ज्ञातुम्



## क्त प्रत्यय

शेष - त  
(भूतकाल में)

→ निष्ठा संरक्ष

अन्त में → त|न|ट|ड|व

पठु - पठितः न्यष्टिता पठितम्

यल् - यलितः न्यलिता न्यलितम्

छिद् - छिन्नः न्यछिन्ना न्यछिन्नम्

## क्वतु प्रत्यय

शेष - त्वत्  
(भूतकाल में)

→ निष्ठा संरक्ष

वीव में → तव|टव|नव|कव|वव

पठितवान् पठितवती पठितवत्

यलितवान् यलितवती यलितवत्

छिन्नवान्, छिन्नवती छिन्नवत्

*By sandeep tandon*

## तत्त्वात् प्रत्यय

शैष → तत्त्व



-पाइट झर्णे में

(विधिलिङ्-लडार)

शाखा के अन्त में → तत्त्वः | तत्त्वा | तत्त्वम्  
टत्त्वः | टत्त्वा | टत्त्वम्

पठु — पठितव्यः पठितव्या पठितव्यम्

कू — कूर्तव्यः कूर्तव्या कूर्तव्यम्

चलु — चलितव्यः चलितव्या चलितव्यम्

## अनीयर प्रत्यय

शोष → अनीय

↓  
-पाइट झर्णे में

(विधिलिङ्-लडार)

→ अनीयः | अनीया | अनीयम्  
→ अनीयः | अनीया | अनीयम्

पठनीयः पठनीया पठनीयम्

करणीयः करणीया करणीयम्

चलनीयः चलनीया चलनीयम्

## शात् प्रत्यय

शौघ - अत्

→ वर्तमानकाल में

→ सत् संज्ञक प्रत्यय

अन्त में → त|न|इ|न्ही|ही

(पर्देस्मैपद भातुओं ले)

पठ् - पठन् पठन्ती पठत्

चल् - चलन् चलन्ती चलत्

## शान्त् प्रत्यय

शौघ - आत्

→ वर्तमानकाल में

→ सत् संज्ञक प्रत्यय

→ मान|आन|शान

(आत्मनेपद भातुओं ले)

→ सैव → सैवमानः सैवमाना सैवमानम्

→ याच् → याचमानः याचमाना याचमानम्

## शतृ प्रत्यय

ई़ - ई़िन् ई़िन्हीं ई़ी़त्

गम् - गच्छन् गच्छन्हीं गच्छत्

रक्ष - रक्षन् रक्षन्हीं रक्षत्

लिख - लिखन् लिखन्हीं लिखत्

## शानच् प्रत्यय

→ वृत् → वृत्तमानः वर्तमाना वर्तमानम्

→ लभ् - लभ्मानः लभमाना लभमानम्

→ मोद् - मोदमानः मोदमाना मोदमानम्

→ कुप्प - कुप्पमानः कुप्पमाना कुप्पमानम्

## ल्यप् प्रत्यय



बौध-य

उपसर्ग + य → अव्यय

Example

आदाय : → आड्. + दा + ल्यप्

विद्याय : → वि + द्या + ल्यप्

संपद्य : → सम् + पद् + ल्यप्

आगम्य : → आड्. + गम् + ल्यप्